

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3 - Sub-section (ii)

## श्राधिदार के प्रकाशित FUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244] नर्ड दिल्ली, शुक्रवार, जून 20, 1986/ज्येष्ठ 30, 1908 No. 244] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 20, 1986 JYAISTHA 30, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ र स्यादी जाती है जिससे कि अह अलग संकलन के रूप में रखाजा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## अम भत्रालय

भ्र'वस् पना

नहीदना अमून प

का आ 371(अ) --कन्दीय सरकार ने नार्यागिक विदार शिंधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 व खड (व) व उपखड (1) ए अनुसरण में, यम जारा पुनवास मलालय (श्रम विभाग) की सरकारों श्रविस्वना म या का आ 457 (श), नारीव्य 21 जून, 1981 के तहन, खिनज नेल (प्रपरिष्कृत तल) मोटर और विमानन स्प्रिट डीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल, विविध हाइड्राकायन नव और उनके सम्मिश्रणा जिनके अन्तगत सिंध्यट इश्चन, स्नहक नल और इसी प्रकार की वस्तुए आती है. व विनिमाग और उत्पादन में लगे उद्योग का (जिसे इसके बाद उक्त उद्योग कहा गया है) उक्त उप खड के प्रयोज-

नार्थ विनिदिष्ट किया गया था जिसे औद्योगिक (विकास और विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 2 के ग्रिधीन नियन्त्रित उद्योग के रूप में घोषित किया गया था;

भार केन्द्रीय सरकार की राप है कि जनहित मे यह ब्रावश्यक है कि उक्त उद्योग की ओर दा वर्ष की ब्रायधि तक नियत्रित उद्योग के रूप में विनिदिष्ट करना जारी रखा आय:

भनः ग्रन्न. अधिगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खड़ (ग्र.) के उपखड़ (i) के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को 21 जून, 1986 से और दो वर्ष की श्रवधि के लिए नियन्नित उद्योग के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

> [एस. 11025/23/83-हैस्क-1 (ए)] करमेल मिह, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF LABOUR NOTIFICATION

New Delhi, the 20th June, 1986

S.O. 371(E).—Whereas by Government Notification in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 457(E), dated the 21st June, 1984, the Central Government had, in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), specified for the purposes of that sub-clause, the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil), notor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like (hereinafter referend to as the said industry) which has been declared as a controlled industry under section 2 of the Industries (Development and Regulac tion) Act, 1951 (65 of 1951).

And whereas the Central Government is of the opinion that in the public interest it is necessary that the said industry be continued to be specified as the controlled industry for a further period of two years;

Now, therefore, in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifics, for a further period of two years from the 21st June, 1986 the said industry as the controlled industry.

[File No. S-11025<sub>[23 83-D.I(A)]</sub> KARNAIL SINGH, Jt. Secy.